प्रश्नपत्र कूट संख्या - 4172
एम. ए. पूर्वार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2019-20
द्वितीय प्रश्न पत्र - भारतीय दर्शन

पाठ्यक्रम

100 अंक

1.	तर्कभाषा	-	केशव मिश्रकृत
2.	सांख्यकारिका	-	ईश्वरकृष्णकृत
3.	वेदान्तसार	-	सदानन्दकृत

संपूर्ण पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - तर्कभाषा का प्रमाणलक्षण, करण, कारण, प्रत्यक्ष, अनुमान तथा उपमान विवेचन।

द्वितीय इकाई - तर्कभाषा का शब्द, अर्थापत्ति, अभाव तथा प्रामाण्यवाद।

तृतीय इकाई - सांख्यकारिका की 1-35 कारिकाएँ

चतुर्थ इकाई - सांख्यकारिका की 36-72 कारिकाएँ

पंचम इकाई - वेदान्तसार संपूर्ण।

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम खंड

20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघूत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50** अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से होगा।

(क) तर्कभाषा के प्रमाण लक्षण, करण, कारण, प्रत्यक्ष, अनुमान तथा उपमान खंडों में से किसी एक अंश की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। **10** अंक

(ख) तर्कभाषा के शब्द अर्थापत्ति, अभाव तथा प्रमाण्यवाद प्रकरणों में से किसी एक अंश की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। **10** अंक

(ग) सांख्यकारिका 1–35 कारिकाओं में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

(घ) सांख्यकारिका के 36–72 कारिकाओं में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

(ङ.) वेदान्तसार में से किसी एक अवतरण की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग)

30 अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 300 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे। 15 अंक

(1) तर्कभाषा में विवेचित विषय (अर्थात् प्रमाणलक्षण, त्रिविधकारण, प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द, अर्थापत्ति, अभाव, प्रामाण्यवाद)

(2) सांख्यकारिका में निरूपित विविध विषयों का समालोचनात्मक शैली में व्याख्यान (अर्थात् त्रिविधप्रमाण, सांख्य की प्रकृति, पुरुष, गुणस्वरूप, प्रकृति–पुरुषसंबंध, पुरुष–बहुत्व, सत्कार्यवाद आदि)।

15 अंक

उक्त खंड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे।

अनुबंधचतुष्टय, अधिकारी का लक्षण, अध्यारोप, अविद्या और उसके भेद, पंचीकरण, सृष्टिप्रक्रिया, अज्ञान का लक्षण एवं शक्तियाँ, आत्मा, तत्त्वमसि, अहं ब्रह्मास्मि महावाक्य, ईश्वर, अपवाद, जीवन्मुक्ति आदि।

सहायक पुस्तकें –

1. वेदान्तसार व्याख्या – डॉ. बद्रीनाथ शुक्त
2. वेदान्तसार व्याख्या – डॉ. सत्यनारायण श्रीवास्तव
3. वेदान्तसार व्याख्या – डॉ. राममूर्ति शर्मा
4. सांख्यकारिका – डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी
5. सांख्यकारिका – डॉ. गजानन मुसलगांवकर
6. सांख्यकारिका – व्याख्या शिवनारायण शास्त्री
7. तर्कभाषा – व्याख्या बद्रीनाथ शुक्ल
8. तर्कभाषा – आचार्य विश्वेश्वर
9. भारतीय दर्शन – डॉ. उमेश मिश्र
10. भारतीय दर्शन – डॉ. नन्दकिशोर देवराज
11. सांख्यसिद्धान्त – डॉ. उदयवीर शास्त्री
12. न्यायप्रमाणपरिक्रमा – डॉ. अभेदानन्द

*****